

Participants : Gadhavi Shri Pushpdan Shambhudan, Pradhan Shri Ashok Kumar, Patil Shri Shivraj V., Pathak Shri Harin, Kathiria Dr. Vallabhbhai, Varma Shri Ratilal Kalidas, Chavda Shri Harisinh

an>

Title: Need to provide special package to Gujarat in view of recent flood situation in Gujarat.

श्री हरिन पाठक : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। पिछले शुक्रवार को गुजरात में जो भयानक बाढ़ आई, उससे उत्पन्न स्थिति के बारे में मैंने तथा मेरे साथियों ने पिछले 15 दिनों में आई बाढ़ के बारे में सरकार और संसद को अवगत कराया था। उसी दिन शाम को प्रधान मंत्री जी वहां गये। उससे पहले सदन के नेता गुजरात गये और वहां उन्होंने वहां हुई क्षति का सर्वेक्षण किया। मध्य गुजरात और दक्षिण गुजरात में बाढ़ से भारी तबाही हुई है। मैं आपके माध्यम से दोबारा सदन में एक बात कहना चाहूंगा कि हमें सरकार की तरफ से जो अपेक्षा थी, प्रथम दृष्टि में जो वहां नुकसान और तबाही हुई है, उसे देखते हुए मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारी वह अपेक्षा पूरी नहीं हुई। गृह मंत्री जी भी वहां गये थे। प्रथम दृष्टि में हमने कहा था कि वहां दो हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता है। ताकि वहां के आम आदमी पूरी तरह से सैटल हो सकें और अपनी जिंदगी की शुरूआत कर सकें। लेकिन वह धनराशि अभी तक हमें नहीं मिली है। मैं आपके माध्यम से दोबारा सरकार से प्रार्थना करता हूँ कि गुजरात की पीड़ित जनता का जीवन बार-बार ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण ध्वस्त हो जाता है, अतः आप उन्हें तुरंत सहायता दें।

महोदय, मेरा आज का विषय इसी से जुड़ा हुआ है कि बाढ़ के बाद धीरे-धीरे अब वहां स्थिति सामान्य हो रही है और अब पता चला है कि वहां कितना नुकसान हुआ है। वहां आम आदमी का नुकसान तो हुआ ही है, लेकिन विशेषकर स्माल स्केल इंडस्ट्रीज को इतना ज्यादा नुकसान हुआ है कि आप उसकी कल्पना नहीं कर सकते। वहां छोटे और बड़े दोनों उद्योगों को नुकसान हुआ है। लेकिन छोटे उद्योगों के साथ आम आदमी सबसे अधिक जुड़ा हुआ है। जो गरीब कामगार बिहार से आते हैं, पश्चिम बंगाल से आते हैं, गुजरात के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से आते हैं तथा अन्य दूसरे क्षेत्रों से आते हैं, आज वे सब लोग बेरोजगार हो गये हैं।

MR. SPEAKER: We have already discussed it in the House.

... (Interruptions)

श्री हरिन पाठक : सिर्फ सूरत में 38 हजार स्माल स्केल इंडस्ट्रीज तबाह हो गई हैं तथा उनमें काम करने वाले लगभग दो लाख चौदह हजार लोग बेकार हो गये हैं। वड़ोदरा जिले में स्माल स्केल इंडस्ट्रीज की 9500 यूनिट्स खत्म हो गई हैं तथा उनमें काम करने वाले 39 हजार लोग बेकार हो गये हैं। ये गरीब लोग आज भूखे मर रहे हैं। भरुच जिले में एस.एस.आई. की 600 यूनिट्स हैं, जिनमें काम करने वाले 23 सौ से अधिक कामगार भूखे मर रहे हैं। मैं कहना चाहूंगा कि छोटे और बड़े दोनों उद्योगों का वहां बहुत नुकसान हुआ है। जिसके कारण रॉ मैटिरियल, बिल्डिंग्स, फिनिशड गुड्स, पैकिंग मैटिरियल, इलैक्ट्रिकेशन, खेती, रास्ते तथा अप्रोच रोड्स सब तबाह हो गए हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से पुनः करबद्ध प्रार्थना करता हूँ कि दो-चार मांगों के बारे में मैंने वित्त मंत्री जी को एक व्यक्तिगत नोट भेजा है और मैं अपने साथियों के साथ उनसे मिलने के लिए भी जाऊंगा। लेकिन मैं अभी सदन में सिर्फ तीन बातें रखना चाहता हूँ। प्रथम जिन उद्योगों और लघु उद्योगों को आपने ऋण दिया है, कम से कम एक साल के लिए आप उनका ब्याज माफ कर दें। दूसरा जिसका जो टर्नओवर है, आप दस परसेन्ट लो इंटरैस्ट रेट से उन्हें एडवांस दीजिए, ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। [R20]। इंकम टैक्स का जो हर तीन महीने में एडवांस रिटर्न भरना होता है, वह वे लोग अभी तक भर नहीं पाए हैं क्योंकि उनकी मशीनरी, मकान वगैरह सब खत्म हो गये हैं। इसलिए उन्हें ज्यादा अवधि दे ताकि वे लोग अपना एडवांस रिटर्न भर सकें। उन लोगों को एक्साइज, कस्टम तथा सर्विस टैक्स में भी राहत दें और इन सबको मिलाकर एक relief and rehabilitation package, especially for small-scale industries and industries के लिए भी अलग से दें और वह

जो हम लोगों ने 2,000 करोड़ रुपये मांगे हैं, वह रुपया भी गुजरात को देने की कृपा करें ताकि गुजरात जो हमेशा देश की प्रगति में सबसे बड़ा योगदान देता है क्योंकि जब गुजरात विकसित होता है तो उसका बहुत बड़ा फायदा देश को होता है। इसीलिए हमारा निवेदन है कि गुजरात को आप मदद दें ताकि गुजरात फिर एक बार देश के विकास में भाग ले सके तथा अन्य प्रदेशों से आए हुए और गुजरात में बसने वाले लाखों नागरिकों के उत्थान के लिए गुजरात की सहायता करें।...(व्यवधान)

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी इसी विषय पर बोलना चाहता हूँ।...(व्यवधान) मैं अपने को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप एशोसिएट कर दीजिए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेहरवानी करके आप दो-तीन नाम भेज दीजिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: All the names of the Members will be recorded as “associated”.

... *(Interruptions)*

श्री पी.एस.गढ़वी (कच्छ) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने आपको इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

श्री अशोक प्रधान (खुर्जा) : अध्यक्ष महोदय, जो विषय श्री हरिन पाठक जी ने उठाया है, मैं भी अपने को इस विषय से सम्बद्ध करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय : श्री हरिभाऊ राठौड़ — अनुपस्थित

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I did not interrupt Mr. Harin Pathak. He raised very important issues and he had put it very properly.

...(व्यवधान)

डॉ. वल्लभभाई कथीरिया (राजकोट) : सर, किसानों की बात रह जाएगी, इसलिए हम कह रहे हैं।...(व्यवधान) मैं भी हरिन पाठक जी के विषय के साथ स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम तो आपको बोल रहे हैं कि आप एशोसिएट कर दीजिए।

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : अध्यक्ष महोदय, हरिन पाठक जी ने जो मांग की है, ...(व्यवधान) इसमें मेरा नाम भी एशोसिएट कर दीजिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is becoming a great torture. हम क्या करें। इन्हें आप समझाइए।

...(ब्यवधान)

श्री हरिसिंह चावड़ा (बनासकांठा) : अध्यक्ष महोदय, गुजरात के हालात के बारे में आप सब लोग जानते हैं कि पिछले 15 दिनों से गुजरात के लोग कितने परेशान हैं। न केवल दक्षिणी गुजरात के सूरत, भरुच बल्कि उत्तर गुजरात में भी परेशानी हुई है। हरिन जी ने उद्योगों के बारे में जिक्र किया कि उन्हें परेशानी हुई लेकिन वह भूल गये कि किसानों को भी कितनी परेशानी झेलनी पड़ी है...(ब्यवधान)

MR. SPEAKER: Your name will be recorded. All names will be recorded.

श्री हरिसिंह चावड़ा : अध्यक्ष महोदय, किसानों की हज़ारों एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है और खेती नट हो गई है। मैं किसानों के लिये निवेदन करना चाहता था। मैं अपने क्षेत्र बनासकांठा में परसों गया था। जो गरीब लोग झुग्गी-झोंपड़ी में रहते हैं, उनके वहां 5-5 फीट पानी घुस गया है। यही नहीं पालनपुर में भारी तबाही हुई है। मेरी मांग है कि मेरे क्षेत्र के लोगों को राहत देने के लिये 10 करोड़ रुपये की सहायता दी जाये, यही मेरी विनती है...(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेहरवानी करके आप बैठ जाइए।

...(ब्यवधान)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): I am grateful to you, Sir, for allowing me to respond to the matter which is raised by the hon. Members over here.

I seek your permission to respond to three other issues also because I am in the House now and they are also important. I will just briefly respond to them.

One is about the Gujarat situation. We had been there; we found that the situation was quite serious. We did give them an amount of Rs.500 crore to provide relief to them. Hon. Prime Minister has asked me to see if some more help is required and if so, it would be given.

The second point was raised by Shri Raghunath Jha. This is equally important.

MR. SPEAKER: Many other hon. Members also.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Yes, other hon. Members also. Every year, we have drought in some areas and heavy rains are affecting the people in some other areas. This year, unfortunately Bihar and some other adjoining States are suffering from drought. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Then, I will request the hon. Minister not so speak.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: I have already said that Bihar and some adjoining States are suffering, like Uttar Pradesh, some parts of West Bengal, etc. ... (Interruptions) Let me be allowed to speak. Otherwise, I will keep quiet. ... (Interruptions) Sir, that is why, I am saying that the Government would certainly

* Not Recorded

send a team to Bihar and other places, wherever it is necessary to take steps, like Uttar Pradesh, West Bengal, etc. We will find out and do it. ... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is most unfortunate. Some decency should be there; you are interrupting the hon. Minister when he is responding on his own. Is this the way in which the House is to be conducted?

SHRI RAMDAS ATHAWALE (PANDHARPUR): What about Maharashtra?

... (*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, we had visited Maharashtra also. Hon. Prime Minister and myself had visited Maharashtra. Mrs. Gandhi had visited Uttar Pradesh and we had visited other States also. Maharashtra also was given Rs.400 crore, out of the Calamity Relief Fund. We are keeping a watch on the situation in different States and wherever it is necessary and possible, we will certainly extend help to the States. This is what I wanted to say about this.

Another point was raised by Shri Devendra Prasad Yadav here. It is really important. We appreciate the anxiety of the hon. Members to get the report so that it can be considered in the House. It is true that it has taken a long time for the Commission to give the report. But the Commission had to wait because of some other reasons also, like the matter was taken to the court and some witnesses got the stay orders against their appearance before the Commission. Then, there are some other issues. But we do appreciate that long time has been made available to the Commission and we are all expecting to get the report. ... (*Interruptions*) Informally, we are told that the report could be given by 31st of December 2006[V21].

We are told this informally.... (*Interruptions*)

MD. SALIM (CALCUTTA – NORTH EAST): Are you giving another extension to them? The House is demanding that no extension should be given but the Minister is saying that he is going to give another extension.... (*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: You do not understand it. It is not a question of extension... (*Interruptions*)

MD. SALIM : I understand very well.... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded without my permission.

(*Interruptions*)* ...

MR. SPEAKER: Shri Salim, I am very sorry. Hon. Minister, you may conclude. Nothing, except whatever the hon. Minister says, will go on record.

(Interruptions) ...*

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, Members are agitated, but they should first hear me as to what I am going to say. It is not a question of giving them extension. The Commission is going to continue up to 31st December, 2006. It has said that the Report could be given before this period is over. We are waiting with our fingers crossed. We will see whether the Report could be given or not. Having given them so much time, when they are on the verge of writing the Report and giving it to us, no action should be taken in a manner that the Report would not come at all. We have also to keep that in mind. Do not jump on your feet and unnecessarily misunderstand what we are saying. It is not a question of giving extension. They are continuing up to 31st December, 2006. They have already said that they would give the Report. Let us hope that the Report would be given. Whatever you have expressed here, will also be communicated to them so that they keep that in mind.

MR. SPEAKER: Other matters, to be raised as Special Mentions, will be taken at the end of the day.

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Mr. Speaker, Sir, I have given a notice...
(Interruptions)

MR. SPEAKER: I had called your name. You were not present.

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, I was not here.

* Not Recorded

MR. SPEAKER: It is your fault, not mine.

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, I would like to raise a very important matter.

MR. SPEAKER: Maybe, but then you should have been present here.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: You have to apologise to the House. You may tender your apology to the House.